समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 17 October 2026

धरती से आसमान तक रंग और रोशनी से नहाया मध्य प्रदेश, फाउंडेशन डे पर तीन दिन का भव्य उत्सव — जुबिन नौटियाल से लेकर 2000 ड्रोन शो तक देखे पूंरा आयोजन

Publisher

Published on 01 Nov 2025

मध्य प्रदेश इन दिनों जश्न के रंगों में सराबोर है। **राज्य का 70वां स्थापना दिवस** इस बार '**अभ्युदय मध्य प्रदेश**' थीम पर मनाया जा रहा है। राजधानी भोपाल में 1 नवंबर से 3 नवंबर तक यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें **धरती से लेकर आसमान तक रंग, रोशनी और संस्कृति का संगम** देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री **डॉ. मोहन यादव** ने इस आयोजन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सिर्फ भौगोलिक रूप से नहीं, बल्कि संस्कृति, नवाचार और विकास के नए आयामों के साथ 'अभ्युदय' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि "यह सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि हर मध्य प्रदेशवासी के गर्व और आत्मविश्वास का प्रतीक है।"

ड्रोन शो बना आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता **2000 ड्रोन से सजे आसमान का अद्भुत दृश्य** रहा। भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस ड्रोन शो में मध्य प्रदेश की पहचान, विकास यात्रा और गौरवशाली परंपराओं को दर्शाया गया। 70 वर्ष पूरे होने पर '70 Years of Glory' थीम के तहत जब हजारों ड्रोन से 'MP @70' और 'अभ्युदय मध्य प्रदेश' के शब्द आसमान में उभरे तो लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

संगीत और संस्कृति का संगम

इस महोत्सव में **बॉलीवुड गायक जुबिन नौटियाल** और **संगीतकार स्नेहा शंकर** की लाइव प्रस्तुतियां दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनीं। जुबिन नौटियाल ने 'तेरा यार हूं मैं', 'रातां लंबियां' जैसे अपने प्रसिद्ध गीतों से शाम को यादगार बना दिया, जबकि स्नेहा शंकर ने लोक संगीत और शास्त्रीय सुरों की अद्भुत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

महानाट्य मे जीवंत हुई सम्राट विक्रमादित्य की गाथा

मध्य प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को सलाम करते हुए इस बार आयोजन में '**सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य**' का विशेष मंचन किया गया। भव्य सेट, प्रकाश व्यवस्था और सजीव अभिनय के माध्यम से यह नाट्य मंचन दर्शकों को इतिहास की उस स्वर्णिम गाथा में ले गया, जिसने उज्जैन को भारतीय संस्कृति के गौरव का केंद्र बनाया था।

तीन दिन का रंगारंग कार्यक्रम

आयोजन के पहले दिन राज्य की स्थापना यात्रा को समर्पित प्रदर्शनियां लगाई गईं, जिनमें 70 वर्षों की विकास गाथा, कला, उद्योग, कृषि, पर्यटन और शिक्षा में हुई प्रगति को प्रदर्शित किया गया।

दूसरे दिन युवा प्रतिभाओं के लिए '**युवा मध्य प्रदेश' प्रतियोगिता**, कला-संगीत कार्यशालाएं और 'मेक इन एमपी' इनोवेशन प्रदर्शनी आयोजित की गई।

तीसरे दिन कार्यक्रम का समापन एक सांस्कृतिक परेड और **ड्रोन एवं आतिशबाजी शो** के साथ होगा।

पर्यटन और स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा

इस अवसर पर मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने विशेष '**Discover MP' अभियान** की शुरुआत की है, जिसमें प्रदेश के ऐतिहासिक स्थलों, जंगल सफारी, और आदिवासी कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दौरान स्थानीय हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित वस्त्रों और कृषि उत्पादों को भी प्रदर्शनी में शामिल करने की घोषणा की।

भोपाल मे सुंरक्षा और व्यवस्थाएं चाक-चौबंद

तीन दिन चलने वाले इस आयोजन के दौरान भोपाल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने मुख्य स्थलों पर अतिरिक्त बल तैनात किया है। पार्किंग, यातायात और मेडिकल सहायता के लिए भी विशेष टीमों की तैनाती की गई है ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री का संदेश — 'अभ्युदय का अर्थ है नई शुरुआत'

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि "मध्य प्रदेश का अभ्युदय तभी संभव है जब हर नागरिक अपने दायित्व को समझे और समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। हमारे पूर्वजों ने जो नींव रखी, अब हम उस पर नवाचार और प्रगति की इमारत खड़ी कर रहे हैं।"

लोगों मे दिखा जबरदस्त उत्साह

स्थापना दिवस के इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। स्टेडियम और सड़कों पर रंग-बिरंगी रोशनी, लोकनृत्य, झांकियां और प्रदेश की विविध संस्कृति की झलक ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस समारोह का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित दिखा।

मध्य प्रदेश के इतिहास में यह **पहला मौका है जब स्थापना दिवस को इतनी भव्यता और तकनीकी नवाचार के साथ मनाया जा रहा है।** 'अभ्युदय मध्य प्रदेश' के इस उत्सव ने न केवल राज्य की पहचान को नई ऊँचाई दी है, बल्कि आने वाले वर्षों में प्रगति और समृद्धि की राह भी दिखाई है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.